रात्रि क्लास 2/7/68 ओमशान्ति शिवबाबा याद है?

बच्चे यहाँ रहते हैं। घर में आते हैं। माँ–बाप को तो अपना घर समझ जहाँ देखो तकलीफ है तो बतानी चाहिए। बाबा यह सहुलियत होनी चाहिए। यह होना चाहिए। तो बाबा थैंक्स देंगे। अच्छी राय निकालनी है। बच्चे समझ रहे हैं अच्छी तरह से। पुरानी दुनिया का दिन–प्रतिदिन टाइम थोड़ा होता जाता है। बाबा रोज़ बच्चों को देखते हैं पद्मा–पद्मभाग्यशाली। यहाँ जो करोड़ पदमपति हैं वह तो गरीब ही होते जावेंगे। मकान का दाम जास्ती हो गया है। नोट कागज है। बैंक में पड़े हैं। उनकी मिलकीयत तो ठिक्कर–भित्तर है। वहाँ तो शाहुकार होते हैं। मकान सोने, हीरों से जड़ित। वहाँ तो सभी सोने के ही होंगे। चांदी की भी नहीं। सच खण्ड में तुम पद्मपति बनते हो। यहाँ मनुष्यों के कर्म विकर्म होते हैं। पद भी भ्रष्ट। तुम जानते हो हम विकर्माजीत भी बनते हैं। धन दौलत भी सच्चा साल्ड होगा। बाप समझाते हैं यहाँ की सारी मिलकीयत मिल जावेगी मिट्टी में। तो झूठ हो गये हैं ना। तुम सच्चे बनते हो। बड़ी विशाल बुद्धि चाहिए। जो कुछ देखने में आता है वह कुछ न रहेगा। समुद्र खा लेगी। अनायास ही मौत होता है ना। समुद्र की उछल आवेगी। बम्बई को भी हप कर लेंगे। कितने बड़े2 खण्ड हैं। सभी पानी में चले जावेंगे। बाकी निशानी रहेंगी। बाकी कुछ रहेगा नहीं। तुम बच्चों में यह ज्ञान होना चाहिए सिवाय हमारे भारत के सो भी बहुत छोटा भारत होगा। थोड़ी जगह लेते होंगे। फिर झाड़ वृद्धि को पाते हैं। तुम बच्चों की बुद्धि में है हमारा भारत छोटा होगा। हम आदि सनातन धर्म वाले ही होंगे। वहाँ यह समझेंगे नहीं हम देवता धर्म के हैं। वह नाम पीछे शास्त्रों में पड़ता है। वहाँ तो तुम प्रैक्टिकल में होंगे। कहने की बात नहीं। आज से 5000वर्ष पहले भारत स्वर्ग था। इन ल0ना0 का राज्य था। एमआबजेक्ट बुद्धि में है। यह विश्व में शान्ति का राज्य है जो हम स्थापन कर रहे हैं; परन्तु अजन क्लीयर नहीं समझाते हैं। त्रिमूर्ति तो है ही। ब्रह्मा द्वारा एक धर्म की स्थापना हो रही है। तुम जितना आगे चलेंगे उतना दुनिया का वायुमंडल शो करता रहेगा। बरोबर विनाश का समय देखने में आता है। बम्स आदि काम में आने हैं। मुफ्त पैसा खर्च नहीं करते हैं। बच्चों को सा0 हुआ है कैसे एरोप्लेन में जाकर सोना ले आते हैं खानियों से। वहाँ तो खानियाँ भरपूर हो जाता है। तकलीफ की बात ही नहीं। बिगर मेहनत तुमको सभी कुछ मिलता है। पुराना खढा खोदना करना यहाँ करते हैं। तो तुमको खुशी बहुत रहनी चाहिए। जितना बाप को याद करेंगे उतनी ही खुशी बढ़ेगी। और भाईयों का कल्याण भी करना है। तो पुरुषार्थ कर तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जावें और बाप को याद करें। यह सभी बातें तुम ब्राह्मणों की बुद्धि में है। कितना क्लीयर है। तुम बच्चों को खातरी है प्रजापिता ब्रह्मा के औलाद हो जो ब्राह्मण बने हो वही देवता बनेंगे। ब्राह्मण कुल होगा भी बहुत बड़ा; परन्तु ब्राह्मणों की राजाई है नहीं। पहले ब्राह्मण कुल बनना है फिर नई दुनिया में जावेंगे। यह अथाह सुख की बातें हैं। यह बैठ सुनाने से दुख की बात भूल जावेंगे। मनुष्य कितना दुखी रहते हैं। प्रापर्टी के केस कितने होते हैं। कितनी आजीविका होती है बैरीस्टरों, जजों की। कमाई ही कमाई होती है। तो अभी तुम जानते हो पुरानी दुनिया में इस समय अपार दुख है। फिर होंगे अपार सुख। रावण राज्य की पिछाड़ी (अन्त) है ना। बहुत कशिश करते रहते हैं। जितना नजदीक आते–जाते हैं तुम बच्चे समझते हो पुरानी दुनिया का विनाश होना है। बाकी थोड़ा समय है। फिर छोटा शरीर जाकर लेंगे। ऐसी बातें बुद्धि में रहनी चाहिए। जिनको पक्का निश्चय है। हो सकता है कोई2 को निश्चय न भी हो। आते तो हैं हम शिवबाबा के पास जाते हैं। तो निश्चय होना चाहिए। जरूर शिवबाबा नई दुनिया स्थापन करते हैं। निश्चय बुद्धि बिगर आवेंगे क्यों? परन्तु निश्चय बुद्धि से भी संशय बुद्धि हो जाते हैं। तकदीर में न है वा ग्रहाचारी बैठ जाती है। पूरा पुरुषार्थ नहीं करते हैं। इस समय सारी दुनिया खास भारत प(र) राहू की दशा है। जो कंगाल बन पड़े हैं। अपन को आत्मा समझ बाप को याद करते रहेंगे तो सतोप्रधान बन जावेंगे; परन्तु माया भूला देता है। यह खेल है हार खाना और जीत पाना। यह चलता रहता है। घड़ी2 का घड़ीयाल है जैसे। वास्तव में

बच्चों को तैयार रहना चाहिए। जाना है नई दुनिया तो सभी चीज़ पहले से ही ट्रान्सफर कर देना चाहिए। तुम्हारी ही विजय होनी है। बाकी सभी खत्म हो जावेंगे। जितना नजदीक होते जावेंगे उतना ही खुशी का पारा चढ़ता जावेगा। बाप कहते हैं मीठे2 बच्चों, तुमको नम्बरवार याद प्यार देते हैं। अच्छे पुरुषार्थी को अच्छा याद प्यार। कम पुरुषार्थी को कम याद–प्यार। उनमें भी कोई कच्चे, कोई पक्के हैं। कच्चे–पक्के इस समय ही होते हैं। अनेक बच्चे डायवोर्स वा फारकती देते हैं। माया ऐसी बलवान है जो ऐसे बाप को फा(र)कती दे देते हैं। बाप कहते हैं ऐसी कड़ी भूल न करना। बेहद के बाप से भी जुदाई कर देते। यह लड़ाई का मैदान है। बाप आते हैं तो तुम्हारी लड़ाई माया से शुरू हो जाती है। अन्त तक चलनी है। आखरीन विजय तो पानी है जरूर। अभी खुशी मनानी चाहिए। जैसे दीपमाला में खुशी होती है। सफाई कराये कर बत्तियाँ आदि जगाते हैं। तुम जानते हो अभी स्वर्ग आता है। हमको कितना खुश होना चाहिए। आत्मा पवित्र शरीर भी पवित्र मिलता है। यहाँ बैठे हो दिल से बात लगती है। बच्चों को बाप मिला है तो बहुत खुशी होनी चाहिए। पुरानी दुनिया को आग लगनी है। हम स्वर्ग में जावेंगे। शास्त्रों में भल क्या भी है। अक्षर कोई करेक्ट नहीं है। अभी अपनी बुद्धि से समझो। टाइम बाकी थोड़ा है। बाबा को याद करते रहो तो पाप कट जाये। बाप को तो निश्चय है बच्चों को भी निश्चय बुद्धि बनाते हैं। हम आत्मा हैं। बच्चों को सभी समझाना है हम आत्माओं का अभी बाप को याद करना है। यह याद की यात्रा अभी मिलती है। फिर 5000वर्ष बाद जावेंगे। फिर मृत्युलोक में लौटना न है। यात्रा पर जाते हैं हम पहुँच ही जावेंगे। तुम्हारी यात्रा देखो कैसी है। मृत्युलोक से अमरलोक में जाने की यात्रा है। इसलिए पवित्र होने लिए बाप को याद करते हो। शरीर से मोह निकलता जाता है। बाप देही अभिमानी बनाते हैं। यह पर छोड़कर बाकी आत्मा जावेगी। वन्डर है इतनी छोटी सी आत्मा का पार्ट कब घिसता ही नहीं है। पार्ट चलता ही रहता है। दुनिया में किसको इन बातों को(का) मालूम नहीं। हम आत्मा में रिकार्ड कैसे भरा हुआ है। न आत्मा न रिकार्ड देखने में आता। हम एक्ट करते रहते हैं। अच्छा।